भैया के दोस्त की बहन की चुदाई

मैं जीतेन्द्र हूं। आज मैं आपको अपने बड़े भैया के दोस्त के बहन की चुदाई की कथा बताने जा रहा हूं। मेरे भैया के एक दोस्त हैं प्रदीप सिंह। उनकी एक बहन है काजल जो काफी सुन्दर और लम्बी है और उसका फीगर ३६-२६-३६ है। मैं अपने भाई के साथ अक्सर उनके घर जाता रहता हूं वो भी मिलती है पर मेरे मन में उसके प्रति कोई भी भावना नहीं थी। मैं कभी कभी अकेले ही उसके घर जाता रहता था। चाय नाश्ता करके मैं वापस चला आता था। मेरे घर से उनके घर की दूरी ८ किमी थी। एक बार जब मैं वहां गया, जब मैं चलने को हुआ तो मैंने देखा कि मेरी मोटर साइकिल की सीट पर एक फूल रखा हुआ है। मैंने फूल को उठाया तो देखा कि काजल छत पर है मैंने नज़रों ही नज़रों में थैंक्स कहा उसका जवाब उसने मुस्करा कर दिया। कुछ ही दिनों के बाद होली का त्यौहार था, मैं होली मिलने उनके घर गया, वहां पर काजल ने मुझे काफी सारा गुलाल मल दिया। जवाब में मैंने भी गुलाल लेकर काजल की चूची पर वह डाल दिया। इस कारण मेरा हाथ उसकी ३६ इंच की साइज की चूचियों से सट गया, मैंने होले होले उसकी चूचियों को दबा भी दिया। वो कुछ नहीं बोली पर मंद मंद दबाने का मज़ा लेती रही।

एक दिन उसने मुझे फिल्म देखने के लिए फोन किया। मैंने कहा कि ठीक है। मैंने हॉल में फोन करके एक बोक्स बुक करा लिया। काजल अपनी छोटी बहन सुमन के साथ फिल्म देखने के लिए आई। हम तीनो कार से हॉल पहुंच गए। बोक्स में मैं और काजल पीछे की सीट पर जबकि सुमन आगे की सीट पर बैठ गए। फिल्म शुरु होने के साथ ही मैंने अपना एक हाथ काजल की जांघों पर रख दिया और धीरे धीरे सहलाने लगा। वो कुछ नहीं बोली। मैंने एक हाथ उसके कंधे पर रखकर उसकी चूची को दबाने लगा। वो चुपचाप बैठी रही। अब मैंने समीज के अंदर चूची पर हाथ फिराने लगा, निप्पल को दबाता तो कभी चूची को सहलाता। वो हल्की आवाज़ में आ.....ह उ.....ह कर रही थी। फिर मैंने एक हाथ को उसकी सलवार के ऊपर से ही चूत पर फिराने लगा। वो मदहोश सी हो रही थी। अब मैंने अपना ज़िप खोलकर अपना लंड बाहर निकाल लिया। मेरा लंड ८ इंच लम्बा और २.५ इंच मोटा है। मैंने उसका हाथ अपने लंड पर रख दिया और धीरे से काजल को सहलाने के लिए कहा। उसने लंड को पकड़ा फिर बोली उ.....फ इतना

© 2008, www.antarvasna.com

लम्बा और मोटा लंड है तुम्हारा। मैंने कहा क्यों क्या हुआ।

उसने कहा कि मैंने अपने भैया और भाभी की चुदाई देखी हुई है लेकिन इतना लम्बा लंड तो भैया का नहीं है। मैंने कहा कि किसी किसी का लंड इतना लम्बा होता है। वो मेरे लंड को पकड़ कर सहलाने लगी, मैंने उसका सिर पकड़ कर लंड से सटा दिया और अब वो मुंह में मेरे लंड को चूसने लगी, मैं तो जैसे पागल हो रहा था चाहता था कि उसको यहीं पर लिटा कर चोद दूं लेकिन उसकी छोटी बहन के कारण मैं शांत रहा। मेरा लंड चूसते चूसते उसने मेरा पानी निकाल दिया। हम दोनो शांत बैठ कर फिल्म देखने लगे। लगभग एक सप्ताह बाद मेरे घर में एक पार्टी थी। काफी गेस्ट आए हुए थे। काजल भी आई हुई थी। पार्टी रात में १२ बजे के लगभग खत्म हुई। मेहमानों के कारण सभी कमरे फुल हो गए थे। मैं अपने कमरे में तीन चार छोटे बच्चों के साथ सोने चला गया। काजल भी मेरे ही कमरे में सोने के लिए आई और बोली कि जीतेन्द्र मैं भी यहीं सो जाती हूं और वो भी मेरे बेड के दूसरी तरफ सो गई। लगभग एक घंटे के बाद मैंने देखा कि काजल सो रही है। उस रोज उसने गुलाबी रंग का लहंगा चोली पहन रखा था।

उसकी चूची से दुपट्टा हटा हुआ था और सांस के साथ चूची ऊपर नीचे हो रही थी। मैं उसके करीब गया और उसकी चूची पर हाथ रखकर उसके होंठ चूसने लगा। तभी काजल ने आंखें खोल दी और मुझसे लिपट गई। उसने मेरी लुंगी में मेरे खड़े लंड को पकड़ लिया और सहलाने लगी। मैंने उसका लंहगा उठा दिया और पैंटी को नीचे करके चूत को सहलाने लगा। एक उंगली चूत के अंदर बाहर करने लगा। उसके मुंह से आ..................ह, उ................ई, आ..............ह, उ...............फ, इइइइइइइइ ययय की आवाजें निकलने लगी। मैं ज़ोर ज़ोर से उंगली उसकी चूत में डालने लगा और वो भी मेरे लंड को तेजी से सहलाने लगी। जब मैंने चोली को खोलने का प्रयास किया तो काजल ने कहा कि यहां बच्चे सोये हुए हैं, जग जाएंगे। मैं काजल को लेकर स्टोर रूम में चला गया, वहां एक चौकी पड़ी थी, मैंने काजल को लिटा कर उसके सारे कपड़े खोल दिए। अब वो पूरी नंगी थी मैंने भी अपने कपड़े उतार दिए और उसके ऊपर लेट गया। चूचियों को बारी बारी चूसता रहा और वो मेरे लंड को बड़े प्यार से धीरे धीरे सहला रही थी जिससे मेरा लंड पूरी तरह से तन कर अकड़ गया था। मेरा लंड उसकी चूत के ठीक ऊपर था जो चूत से टकरा टकरा कर घुसने

के लिए बेचैन हो रहा था। मैंने अपना लंड उसकी चूत के छेद पर लगाया तो लंड छिटक कर दूसरी ओर चला गया। काजल ने कहा कि जीतेन्द्र तुम्हारा लंड काफी मोटा है, मैं मर जाउंगी। मेरी चूत छोटी है। मैंने कहा कि कुछ नहीं होगा।

फिर मैं स्टोर रूम में रखे हुए तेल को लेकर अपने लंड को तर किया और उसकी चूत में खूब सारा तेल डाल दिया। फिर लंड को चूत के छेद पर रखकर एक हल्का सा धक्का मारा, मेरा लंड एक इंच तक उसकी चूत में घुस गया। काजल अअअअअअअइइइइइइइइइइ कर उठी। मैं कुछ देर तक लंड को ऐसे ही उसकी चूत में डाले उसके निप्पल चूसता रहा। फिर एक ज़ोर का धक्का मारा तो मेरा लंड इस बार ४ इंच तक घुस गया। काजल ज़ोर से चीख उठी उउउउउउउउउईईईईईई.....ईईईई.....अअअअ..अ.अ.. अ...अअअअ...अ इइइइइइइइइइ आआआआआआहहहहहहहहहहह मर गई। निकालो लंड को। मैंने उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए और फिर मैंने एक और ज़ोर का धक्का मारा, मेरा लंड उसकी चूत को फाड़ता हुआ अन्दर घुस गया। काजल की आंखों से आंसू निकल पड़े, वो रोने लगी और छटपटाते हुए बोली कि मुझे नहीं चुदवाना है।

मेरी चूत फट गई। जीतेन्द्र, प्लीज निकालो अपना लंड। मैंने कहा ठीक हो जायेगा। मैं कुछ देर ऐसे ही अपने लंड को काजल की चूत में डाले रखा और चूचियों को दबाने और चूसने लगा। १० मिनट के बाद लंड को बाहर निकाल एक ज़ोर का धक्का दिया काजल उउउउउइइइइइइइ अअअअअअ.... हहहहहहहहहहह आआआओओ करने लगी और नीचे से अपनी गांड उछाल उछालकर मेरे धक्कों का जवाब देने लगी। वो अब चुदाई का भरपूर मज़ा लेने लगी और कहने लगी कि और ज़ोर से धक्के मारो, फाड़ डालो मेरी चूत को..... और तेज.....और तेज जीतेन्द्र। मैंने भी फुल स्पीड में चुदाई चालू कर दी। लगभग २० मिनट के बाद मेरे लंड ने उसकी चूत में पानी छोड़ दिया, इस दौरान वो दो बार झड़ी। आधे घंटे तक हम दोनो एक दूसरे से चिपटे हुए ऐसे ही पड़े रहे। फिर दूसरा राउंड भी चला। इस बार काजल ने खुल कर मेरा साथ दिया।

धन्यवाद।

आपकी चूत का दीवाना

जीतेन्द्र

© 2008, www.antarvasna.com